Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT

BUSTARD
RECOVERY PROGRAM

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

Web Weavers of the Thar

Bassaniodes tristrami

Psudomogrus sudhii

Afraflacilla miajlarensis

Oecobius thar

Steatoda erigoniformis

Tricothyse jodhpurensis

Menemerus marginatus

Palpimanus godawan

Iranattus rectangularis

Steatoda albomaculata

Plexippus minor

Image Credits - Rishikesh Tripathi

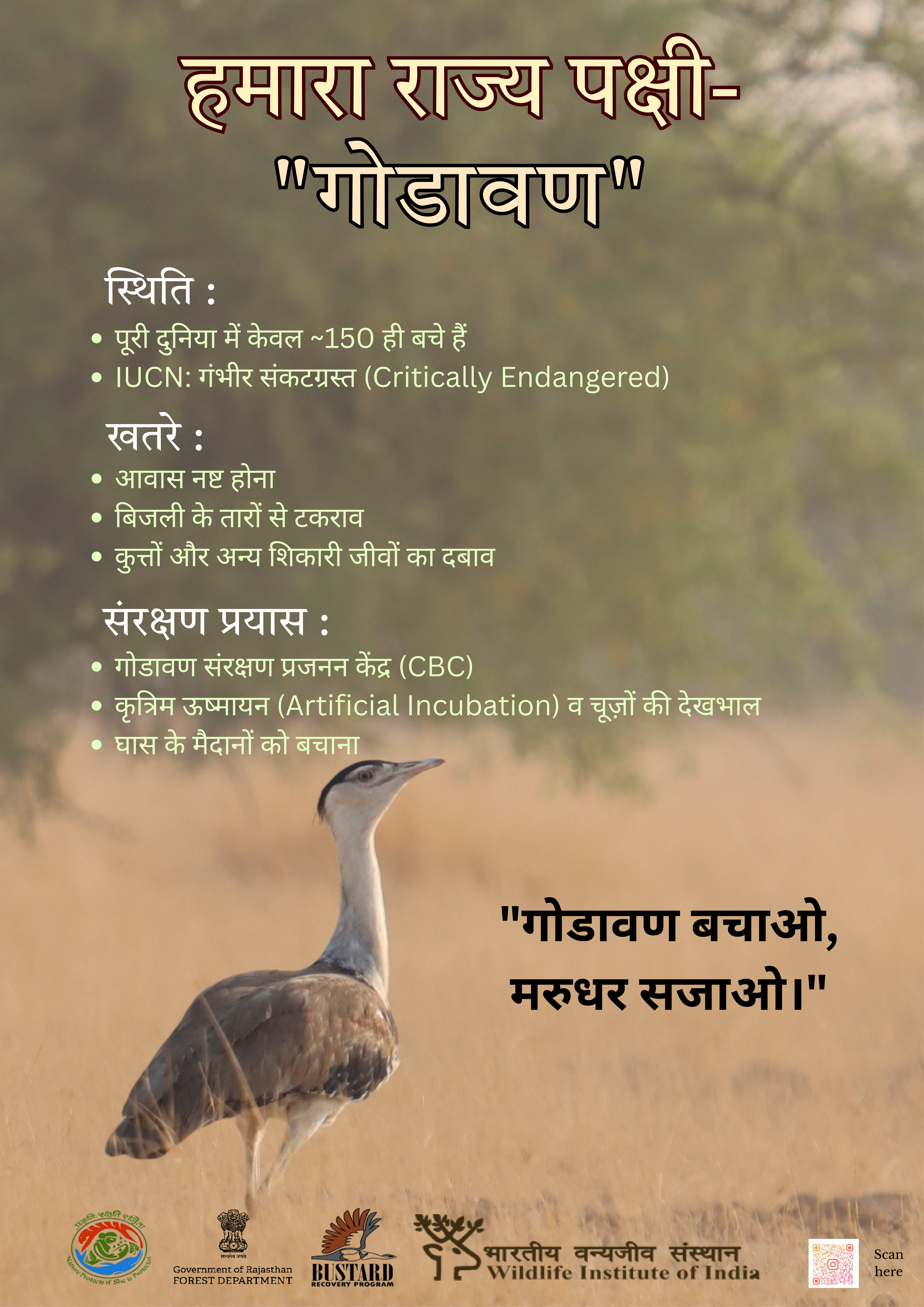
हमारा राज्य पक्षी-
"गोडावण"
स्थिति :
• पूरी दुनिया में केवल ~150 ही बचे हैं
• IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (Critically Endangered)
खतरे :
• आवास नष्ट होना
• बिजली के तारों से टकराव
• कुत्तों और अन्य शिकारी जीवों का दबाव
संरक्षण प्रयास :
• गोडावण संरक्षण प्रजनन केंद्र (CBC)
• कृत्रिम ऊष्मायन (Artificial Incubation) व चूज़ों की देखभाल
• घास के मैदानों को बचाना
"गोडावण बचाओ,
मरुधर सजाओ।"
Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT
BUSTARD
RECOVERY PROGRAM
भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India
Scan here

"संरक्षण है समाधान"

"गोडावण की रक्षा, प्रकृति की सुरक्षा।"

संरक्षण प्रयास

गोडावण संरक्षण प्रजनन केंद्र

- "रामदेवरा और सम - गोडावण को दे रहे नया जीवन।"

कृत्रिम ऊष्मायन और चूज़ों की देखभाल

- प्रजनन केंद्र में 68 गोडावण हैं।

लिंग	वन्य (Wild)	प्रजनन केंद्र(Captivity)	कुल
मादा	22	13	35
नर	11	22	33
कुल	33	35	68

"घास का मैदान बचेगा – तो गोडावण बचेगा"

संरक्षण में स्थानीय समुदाय की भूमिका

हम सबको आगे आना है - गोडावण को बचाना है।

Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT

BUSTARD RECOVERY PROGRAM

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

Scan here

घास के मैदान में, स्वर्णनगरी की सोनचिड़िया

"राजस्थान का गौरव" और "रेगिस्तान का मोती"

भारत का सबसे वजनी उड़ने वाला पक्षी

- **आवास** - बड़े एवं खुले घास के मैदान

- **भोजन -** सर्वाहारी
  जंगली बेर, घास के बीज, कीट-पतंगे, छोटे सरीसृप छिपकली, सांप, चूहा

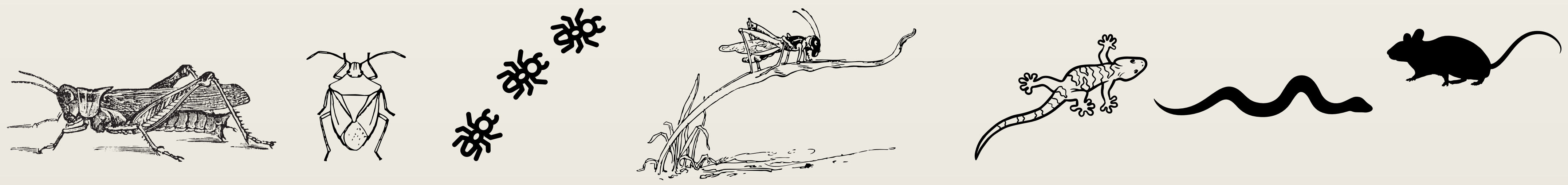

- **प्रजनन**
  - प्रजनन काल: गर्मियों से मानसून तक (मार्च–सितंबर)
  - नर आकर्षक "नृत्य" (display) करता है।
  - मादा ज़मीन पर 1-2 अंडे देती है और प्रतिवर्ष अधिकतम एक चुज़े का पालन करती है।

"जहाँ होगा घास का मैदान - वहाँ होगा गोडावण का वास ।"

Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT

BUSTARD
RECOVERY PROGRAM

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

Scan here

To know more

To follow along

BUSTARDRECOVERYPROGRAM

RAJASTHANFORESTDEPARTMENT

Great Indian Bustard Conservation Breeding Centre

To know more

To follow along

BUSTARDRECOVERYPROGRAM

RAJASTHANFORESTDEPARTMENT

Great Indian Bustard Conservation Breeding Centre

Government of Rajasthan FOREST DEPARTMENT

BUSTARD

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

Jumping Jewels (Orthoptera) of the Thar

Truxalis indica

Acorypha glaucopsis

Schistocerca gregaria

Anacridium rubrispinum

Heteracris littoralis

Leva indica

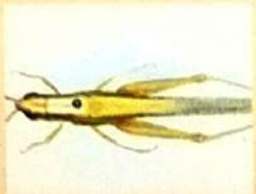

Ochrilidia geniculata

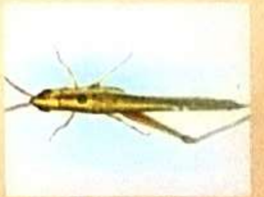

Ochrilidia gracilis

Ochrilidia hebetata

Acrotylus humbertianus

Oedaleus senegalensis

Scintharista notabilis

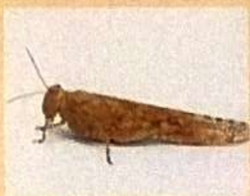

Sphingonotus (Sphingonotus) rubescens

Diabolocatantops pinguis

Chrotogonus (Chrotogonus) trachypterus

Sphingonotus (Neosphingonotus) paradoxus

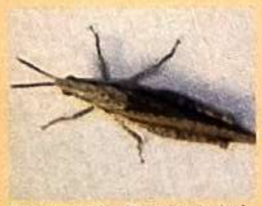

Pyrgomorpha (Pyrgomorpha) bispinosa

Pyrgomorpha (Pyrgomorpha) conica

Euconocephalus incertus

Paratettix sp

Tenuitarsus orientalis

Crucinotacris decisa

Acrotylus longipes

Poekilocerus pictus

Schizodactylus monstrosus

Image Credits- Anshuman Pati

प्रोजेक्ट गोडावण : वैज्ञानिक नीतियों से सफल सरंक्षण की एक मिसाल

प्राकृतिक आवास सुधार एवं कृत्रिम प्रजनन - एक अनूठी पहल, अथक प्रयासों के फलस्वरूप विलुप्त होते गोडावण का सफल सरंक्षण

वन्य जीव संकट

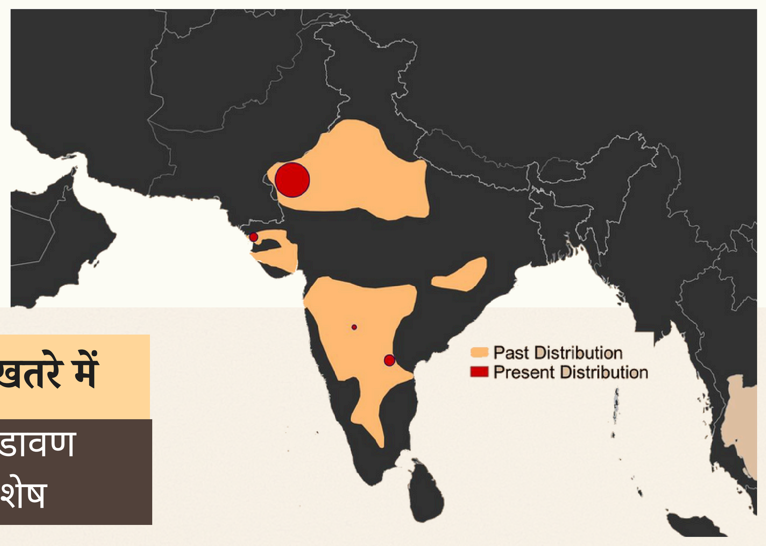

सोनचिड़िया की उड़ान खतरे में

प्राक्रितिक आवास में गोडावण की संख्या मात्र ~150 शेष

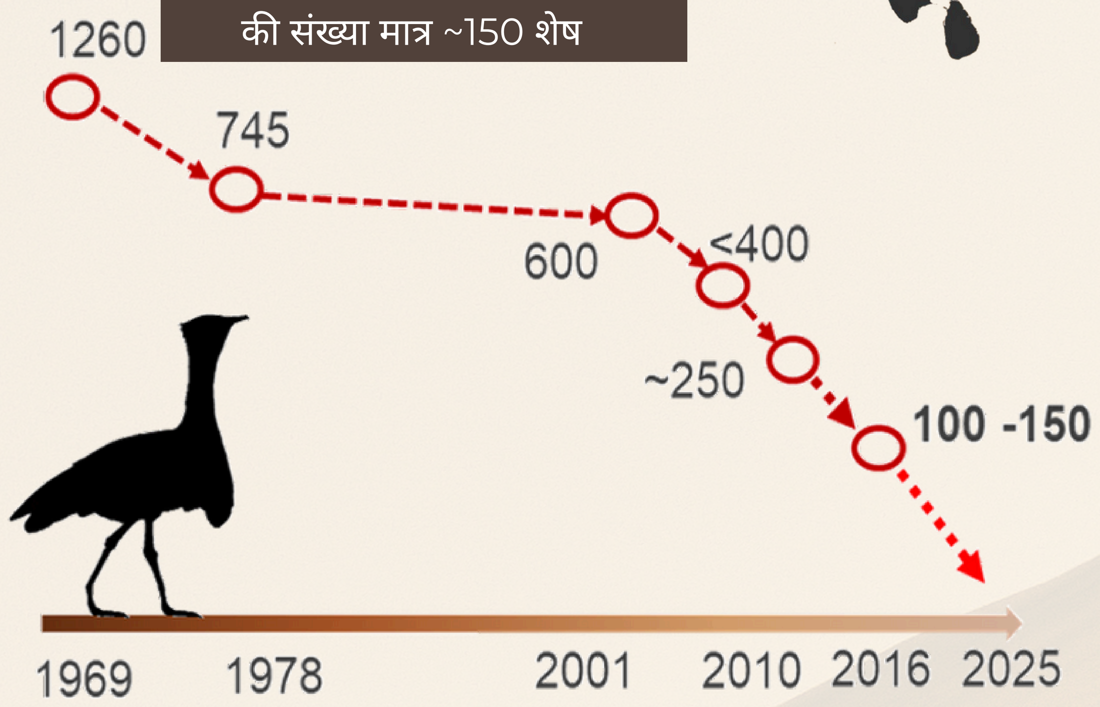

संरक्षण प्रजनन

जंगल से लिए गए अंडों को कृत्रिम रूप से सहना, प्राप्त चूज़ों का सुरक्षित पालन पोषण करना, प्रजनन योग्य अवस्था आने पर प्राकृतिक या कृत्रिम प्रजनन करवाना, इनसे प्राप्त चूज़ों को प्राकृतिक आवास में रहना सिखाना एवं सही समय पर जंगल में पुनर्वास करवाना।

गोडावण

स्थानीय लोगों में वन्यजीव संरक्षण हेतु जागरूकता के प्रयास

1. स्थानीय लोगों में जागरूकता हेतु मरु एवं पुष्कर महोत्सव, वन महोत्सव एवं स्थानीय मेलों में जागरूकता मंच का आयोजन
2. विद्यार्थीयों में पर्यावरण एवं विशेष रूप से गोडावण सरंक्षण चेतना जगाने हेतु विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजन, 5000 विद्यार्थी लाभान्वित
3. वन्यजीव जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशालाएं- वन विभाग कर्मचारी, सेना के जवान एवं पत्रकारों के लिए।

जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम

सरंक्षण हेतु प्राकृतिक आवास प्रबंधन

मरु उद्यान एवं पोकरण क्षेत्र के **32** गांवों में **1811** कुत्तो की सफल नसबंदी

मरु उद्यान एवं पोकरण क्षेत्र में गोडावण संरक्षण हेतु घांस के मैदानों की बाड़ेबंदी

बिजली के तार से टकराकर मरने से बचाने के लिए उड़ान विवर्तक (तारों को दिखने लायक बनाने के लिए लगाए गए यंत्र) लगाए गए

सरंक्षण के लिए किए जा रहे शोध एवं उनके परिणाम

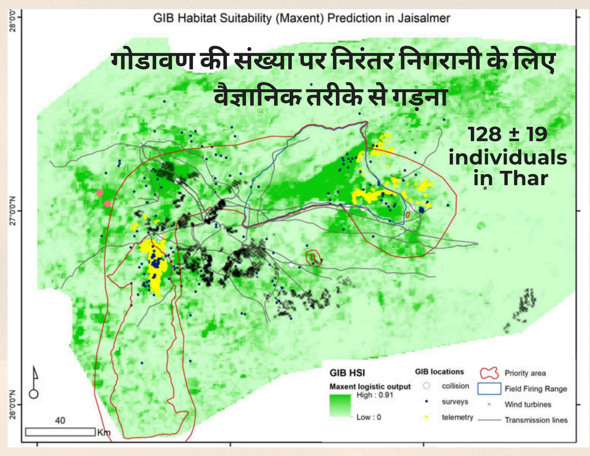

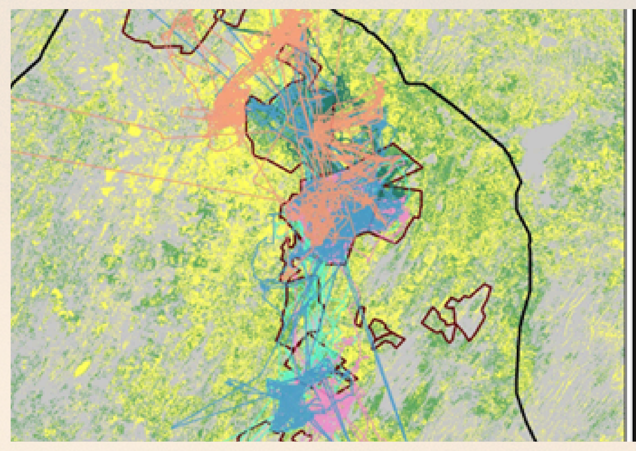

टेलीमेट्री की सहायता से गोडावण की गतिविधियों पर नज़र, जिससे की उनकी जरूरतों को समझें एवं प्राप्त मनकों के साथ सरंक्षण योजना बनाई जाएँ

Scan here

भारतीय वन्यजीव संस्थान Wildlife Institute of India

Rajasthan Forest Department

“संरक्षण की संयुक्त पहल: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), राजस्थान वन विभाग और IFHC, CAMPA समर्थित”

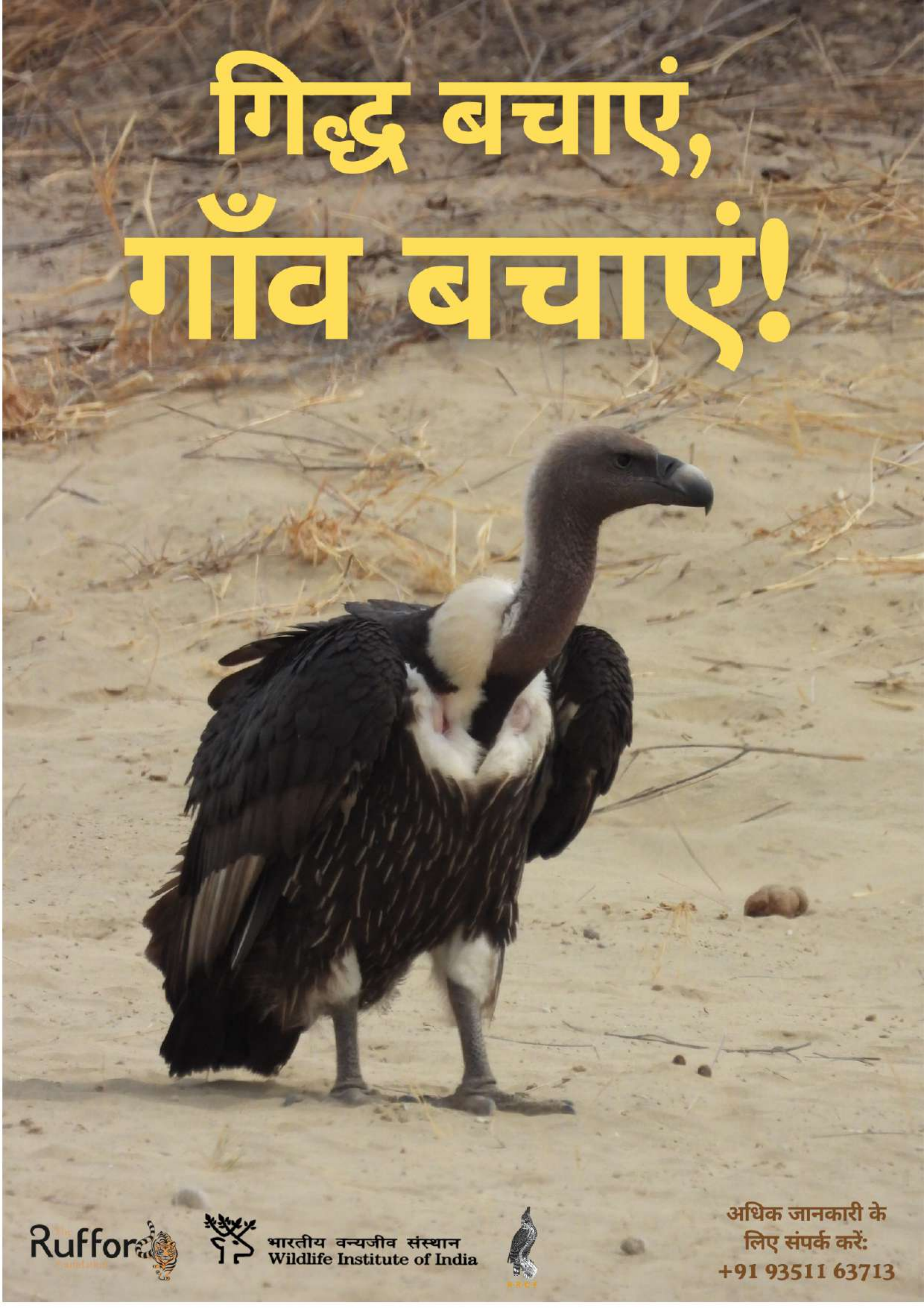
गिद्ध बचाएं,
गाँव बचाएं!
Rufford
भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India
अधिक जानकारी के
लिए संपर्क करें:
+91 93511 63713

गिद्धों की संख्या घटी,
तो महामारी बढ़ी !
ना नुक्सान करें ना शोर,
सिर्फ ले जाएं मरू को स्वच्छता की ओर!
Ruffor
भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India
अधिक जानकारी के
लिए संपर्क करें:
+91 93511 63713

पशुओं के लिए अवैध दवाएं लेने से खुद बचें, और मरू सफाईकर्मी गिद्धों को भी बचाएँ !

डाइक्लोफेनेक, ऐसेक्लोफेनैक एवं निमेसुलाइड

हैं गिद्धों का ज़हर

मेलोक्सीकैम एवं टोल्फिनामिक ऐसिड

का प्रयोग करें, मरुधरा का स्वास्थ्य कायम रखें

The Rufford Foundation

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

R·R·C·F

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
+91 93511 63713

यह है गिद्ध कम होने का कारण!

30 वर्ष पहले

करोड़ों

में थी गिद्धों की संख्या

मवेशी की सूजन वह दर्द के इलाज हेतु डाइक्लोफेनेक का टीका पड़ गया गिद्धों पे भारी
टीका लगे मवेशी को खाने से हुई 99% से अधिक गिद्धों की मौत

अब इनका भविष्य आपके हाथों में,
डाइक्लोफेनेक, निमेसुलाइड, ऐसिक्लोफेनैक एवं केटप्रोफेन का प्रयोग करें

आज से बंद!

डाइक्लोफेनेक एवं निमेसुलाइड

मेलोक्सीकैम एवं टोल्फिनामिक ऐसिड

The Rufford Foundation

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

R·R·C·F

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
+91 93511 63713

जानिए कैसे करते हैं गिद्ध आपकी सहायता

सड़े-गले शव खाकर **रेबीज़, एन्थ्रैक्स, कॉलरा, प्लेग** जैसी बीमारियों को गाँव से दूर रखते हैं गिद्ध!

गिद्ध मरे पशु हटाकर **मासाड़ा (FMD), बोटुलिज़्म, ब्लैक क्वार्टर** जैसी बीमारियों से आपके पशुओं की रक्षा करते हैं

आज ही कदम उठाएं, **डाइक्लोफेनेक एवं नीमैसुलाइड** जैसी अवैध दवाइयों का प्रयोग बंद करें और अपने तन-धन का नुक्सान बचाएँ

गिद्धों की संख्या, आप की सुरक्षा

The Rufford Foundation

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

R·R·C·F

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
+91 93511 63713

REPTILES OF THAR

THE SILENT HEARTBEAT OF THE DESERT

Government of Rajasthan FOREST DEPARTMENT
भारतीय वन्यजीव संस्थान Wildlife Institute of India

रेगिस्तान के रत्न

Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT
भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India
الصندوق الدولي للحفاظ على الحبارى
International Fund For Houbara Conservation

"गोडावण : भारत का गौरव"

आर्डेओटिस निग्रिसेप्स (*Ardeotis nigriceps*)

आकार

नर

ऊँचाई: ~120 से.मी. |
वजन: 8-12 कि.ग्रा

मादा

ऊँचाई: ~92 से.मी. |
वजन: 4-6 कि.ग्रा

संरक्षण स्थिति

RED LIST
CRITICALLY ENDANGERED
CR

गोडावण कहाँ-कहाँ पाए जाते हैं

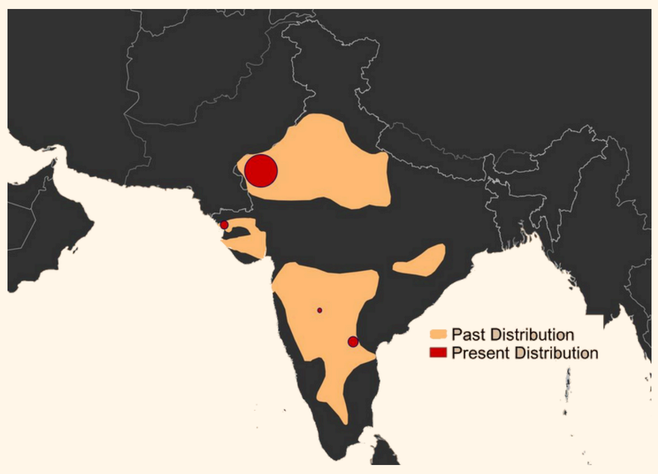

घास के मैदान – गोडावण की शान

गोडावण का प्रजनन प्रणाली

गोडावण की
संख्या: ~150

गोडावण के बारे में सामान्य जानकारी

- मादा 1-2 अंडे देती है और प्रतिवर्ष अधिकतम एक चुज़े का पालन करती है।
- प्रजनन के लिए सुरक्षित घास के मैदान आवश्यक है।

गोडावण का आहार

सर्वाहारी – कीड़े, छोटे सरीसृप और बीज खाते हैं

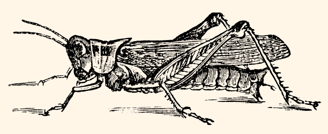

खतरे

बिजली के तार

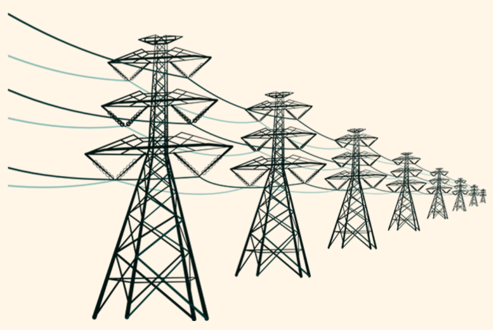

गोडावण का पुराने समय में शिकार

वन्यजीवों पर कृषि का प्रभाव

घास के मैदानों पर अति चराई का प्रभाव

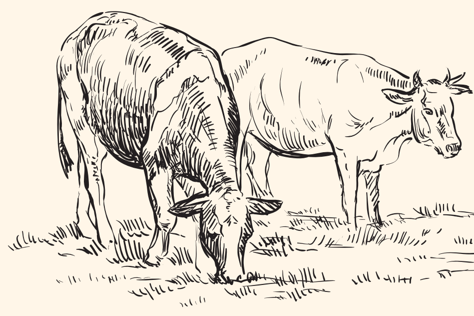

परभक्षी जानवर

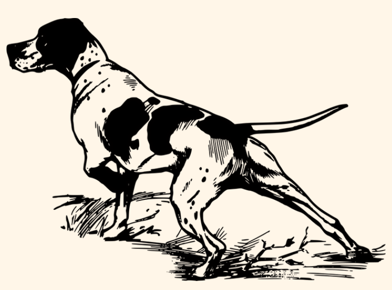

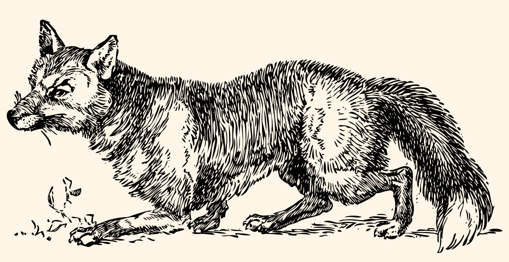

संरक्षण कार्य

प्रजनन के लिए उपयोग किये जाने वाले बाड़ों की तारबंदी एवं निगरानी

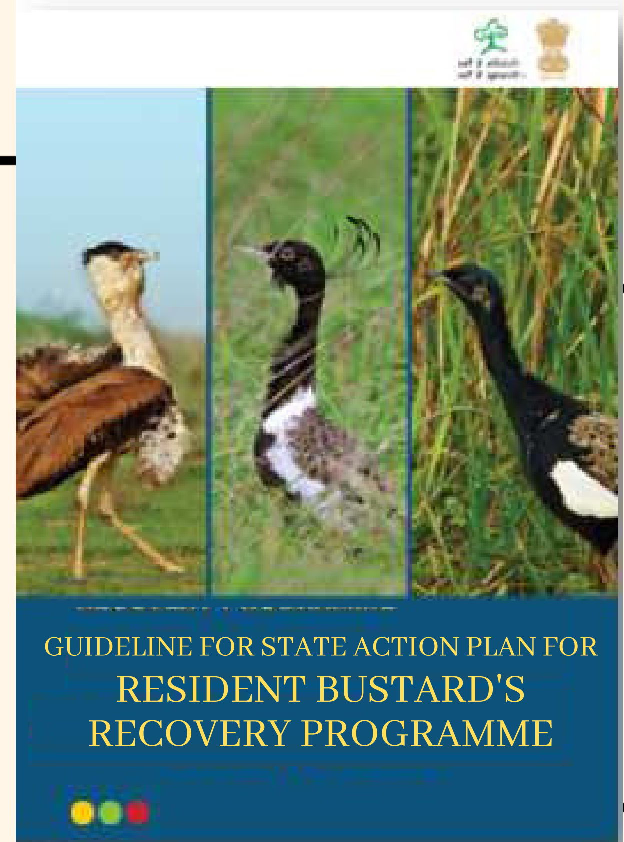

गोडावण के आवास में पावरलाइन खतरों को कम करना

"संरक्षण प्रजनन – सुरक्षित भविष्य"

क्षेत्रीय समुदाय साथ आए – गोडावण आवास सुरक्षित बने

प्रकृति रक्षति रक्षिता
Nature Protects if She is Protected
सत्यमेव जयते
Government of Rajasthan
FOREST DEPARTMENT
BUSTARD RECOVERY PROGRAM
भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

SCAN HERE